Marwari College, Darbhanga
Hand written lecture
by
Dr. S.K. Suman, Asst. Prof, Dept. of Psychology

Page No. 55
Date 17.4.20

Class- B.A., Part-I, Psychology (Hons), Paper-I
Unit-4, Learning, Topic- Role of Motivation in Learning.

अधिगम (सीखने) में अभिप्रेरणा की भूमिका:

सबसे पहले तो हम यह जानें कि Motivation क्या है और यह कैसे काम करती है।

Motivation एक तरह की प्रेरकशक्ति है जो हमारे अन्दर कुछ कर गुजरने की जोश, जज्बा और जुनून जैसी शक्ति पैदा करती है, जो हमारे काम करने की क्षमता को दोगुनी करती है और एकदम से बढ़ा देती है। हम अपने काम को पूरे जोश के साथ करने लगते हैं यह मुख्य रूप से हमारे काम एवं भावनाओं में जोश भरने का काम करती है। Motivate करने का मतलब होता है अपने अन्दर जोश पैदा करना, अपनी लाइफ में कुछ करने के लिए जज्बा पैदा करना।

यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में कुछ भी नहीं कर रहा है तो यह उसके अन्दर कुछ कर गुजरने की आग पैदा कर सकता है जिससे वह कभी खाली नहीं बैठेगा, यह उसके अन्दर काम करने की लगन पैदा करता है।

Motivation एक बहुत ही Powerful हथियार की तरह है जो हमारे मन में चल रहे Doubts को दूर करती है और हमें अन्दर से Inspire करती है जिससे हम अपनी लाइफ में दोबारा Active हो जाते हैं।

Scanned with CamScanner

हम अपनी लाइफ में अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, किसी न किसी मोटिवेशन के कारण ही है। यह एक ऐसी शक्तिशाली ताकत है जो हमारी लाइफ change कर सकती है।

किसी भी बड़े level तक पहुँचने के लिए या Successful बनने के लिए हमे Motivation की आवश्यकता होती है। जब तक हम सोते ही रहेंगे तब तक सफल कैसे होंगे! मोटिवेशन हमें जगाये रखने और अपने लक्ष्यों को हासिल करने में हमारी मदद करती है।

जब हम यह समझ जाएंगे कि प्रेरणा कैसे काम करती है तो हम खुद को प्रेरित कर सकते हैं जिससे हम अपने मुकाम तक पहुँच सकते हैं इसके साथ ही हम दूसरों को भी प्रेरित कर सकते हैं ताकि वो लोग भी सफल बन सकें।

खुद से बात करना और उस बात के माध्यम से अपने अन्दर सफलता की चाहत पैदा करना हमारी आंतरिक प्रेरणा को दर्शाता है। मान लीजिये आपने एक नया काम शुरू किया लेकिन आपके अन्दर एक डर है कि आप सफल होंगे भी या नहीं। अपनी सफलता को लेकर आपके मन में एक डर बना हुआ है लेकिन यदि आप नियमित रूप से खुद से बात करते हैं और स्वयं से कहते हैं — "मैं अपने लक्ष्य के करीब पहुँचता जा रहा हूँ

और मैं सफल होकर ही दम लूँगा।"

ऐसी बातें हमारे अन्दर आत्मविश्वास पैदा करती हैं और हमें खुद को मोटीवेट रखती हैं। कई बार आपने सुना होगा कि अपने किसी खास दोस्त से बात करते हुए, छोटी-छोटी बात पर चिल्ला उठता हूँ या मुझे गुस्सा आ जाता है और मेरे काम पर भी इसका असर पड़ता है। ये सब मेरी प्रेरणा को कमजोर बनाती है और मैं Demotivate हो जाता हूँ।

लेकिन बहुत दिनों से मैं ऐसा कुछ हो जाने पर खुद से ऐसी बातें करता हूँ, "मैं आगे से उससे बात करते समय कुछ भी हो जाए खुद को शांत रखूँगा और उसकी पूरी बात सुनूँगा। मुझे पता है कि वो इंसान सही है और अब मुझे संयम से काम लेना चाहिए।

Function
Importance of Motivation in learning :-

प्रगति की प्रक्रिया को सीखना कहते हैं, लेकिन यह प्रगति वास्तव में सीखने की इच्छा या उद्देश्य पर निर्भर करती है।

Gates (गेट्स) के अनुसार, "अभिप्रेरणा सीखने का एक आवश्यक कारक है" (Motivation is the essential factors of learning.)

अभिप्रेरणा सीखने की प्रक्रिया में तीन तरह का कार्य करता है जो निम्नांकित है —

Page No. 58
Date 17.04.20

(i) अभिप्रेरणा व्यवहार को शक्ति प्रदान करता है

प्रेरणा से अभिप्रेरित होकर बालक में सीखने की शक्ति (energy) उत्पन्न होती है तथा इसी शक्ति को पाकर वह प्रक्रिया ~~में ले जाता है~~ आरंभित हो जाती है तथा उसे क्रियाशील बना देता है। जैसे- भूख, प्यास, काम आदि ~~सभी~~ शारीरिक अभिप्रेरक तथा उपलब्धि अभिप्रेरक, तथा संबंधन अभिप्रेरक आदि मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरक शक्ति एवं क्रियाशीलता उत्पन्न करते हैं जिससे सीखने में मदद मिलती है।

(ii) अभिप्रेरणा व्यवहार को एक निश्चित दिशा प्रदान करता है — अभिप्रेरणा व्यक्ति के व्यवहार को एक खास दिशा में निर्देशित करता। वह व्यक्ति के व्यवहार को लक्ष्य की ओर निर्देशित करता है इससे फायदा यह होता है कि बालक को अपने अंतिम लक्ष्य पर पहुँचने में सहायता मिलती है। इस तरह अभिप्रेरित व्यवहार उद्देश्यपूर्ण एवं सतत होता है। जैसे- उपलब्धि अभिप्रेरक वाले छात्र का ध्यान अच्छे पुस्तकों के अध्ययन, शिक्षकों के व्याख्यान पर होगा आदि।

(iii) अभिप्रेरणा में व्यवहार चयनात्मक होता है — अभिप्रेरणा बालकों के व्यवहार को सिर्फ दिशा निर्देश ही नहीं प्रदान करता है, बल्कि उनके व्यवहार को चयनात्मक बना देता है यह शिक्षार्थी को एक निश्चित व्यवहार का चयन करने में मदद करता है। वह अपने लिए एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित कर सिर्फ उन्हीं व्यवहारों को करता है जिनसे उस लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। जैसे- अलियोजित छात्र का ध्यान अखबारों में नियोजन के विज्ञापन, एक राजनीतिज्ञ का ध्यान राजनीति से संबंधित समाचार पर आदि।

Contd.